

# सहेली



स्पेशल  
वर्ल्ड लाफ्टर-डे, 5 मई



कवर स्टोरी / विमला रस्तोगी

## पुरुषों से कहीं ज्यादा हंसती हैं महिलाएं

कि सी विद्वान ने कहा है, 'अगर तुम्हारे होंठों पर मुस्कान है और हृदय में एक कोई अच्छा गीत तो निश्चित रूप से तुम ऊंची आवाज में गाओ।' देखा जाए तो आज यही मुस्कान-हंसी बहुत दुर्लभ हो गई है। जिंदगी की आधा-धापी और तमाम तरह के तनावों के बीच आदमी हंसना भूलता जा रहा है।

हंसी-खुशी के बदल गए हैं मायने

आज इंसान के लिए हंसी-खुशी के मायने बदल चुके हैं। धनी और अधिक पैसा कमाने की, मध्य वर्ग सीमित आमदनी में ढंग से रहने की और गरीब निर्धनता से मुक्ति पाने, जीने की कशमकश में लगा रहता है। धनी वर्ग क्लबों, पार्टियों और होटलों में हंसी खोजने जाता है। गरीब के लिए अपने बच्चों के पेट भरने पर ली जाने वाली चैन की सांस ही उसके होंठों की मुस्कान बन जाती है। आजकल चिंताएं बिना किसी रुकावट के बिन मांगे ही मिल जाती हैं, लेकिन हंसी दुर्लभ है।

हंसी पर क्या कहते हैं शोध

व्यक्ति कब हंसता है? कितना हंसता है? आदमी ज्यादा हंसते हैं या महिलाएं? विदेशों में शोधकर्ता हंसी से संबंधित इन्हीं सब बातों पर शोध करने में लगे हैं। हंसने पर शोध करने वाले वर्जीनिया विश्वविद्यालय के वेड.सी. मैकी का कहना है कि अनेक स्थितियों में महिलाएं पुरुषों से जल्दी और अधिक हंसती हैं। लुइसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के शोधकर्ता भी हंसी पर अनुसंधान कर रहे हैं। अपने शोध के दौरान इन शोधकर्ताओं ने ढाई मिनट तक दो पुरुषों की मनोरंजक बातचीत टेप की और उसे अकेले बैठे पुरुषों को सुनाया। इसी टेप को शोधकर्ताओं ने बाद में महिलाओं को सुनाया, जो अकेली बैठी थीं तो उन्होंने पाया कि अकेली बैठी महिलाएं उस टेप को सुनकर अकेले बैठे पुरुषों की अपेक्षा अधिक खुल कर हंसीं। शोध से यह भी निष्कर्ष सामने आया है कि महिलाएं अन्य महिलाओं के साथ मिलकर ज्यादा हंसती हैं, जबकि पुरुष अपने वर्ग में बैठ कर सामान्य स्तर तक ही हंसते हैं। अब आप ही बताएं, कहीं चार महिलाएं बैठी ठहाके लगा रही हों तो लोग क्यों जलते हैं? महिलाओं पर 'खाली बैठे ठट्टे मारने' का इल्जाम क्यों लगाया जाता है? ऐसा इल्जाम या हंसी के मामले में महिलाओं से जलन गलत है। क्या खुशमिजाज होना



गलत है?

एक हंसी दूसरी हंसी को जन्म देती है

अमेरिका में लुइसियाना के ग्रामीण क्षेत्रों में और वर्जीनिया के शहरी क्षेत्रों में किए गए एक अध्ययन के अनुसार एक हंसी दूसरी हंसी को जन्म देती है। जैसे हंसने में महिलाएं ज्यादा सक्रिय देखी जाती हैं। शोधकर्ताओं ने एक सड़क पर कुछ नियत शब्दों में वयस्कों का स्वागत किया। कभी हंस कर, कभी बिना हंसी। आमतौर पर हंसी का उत्तर हंसी में मिला, लेकिन महिलाएं पुरुषों से ज्यादा हंसीं। शोध में एक और निष्कर्ष निकला कि पुरुष यदि पुरुष को देखकर मुस्कराता है तो अच्छा रेटांस मिलता है। लेकिन पुरुष महिला को देखकर मुस्कराए तो प्रत्येक महिला हंसकर रेटांस नहीं देती, इसका कारण हमारे बनाए सामाजिक

नाम पड़ जाते हैं।

हंसी हजार नियामत

हंसने पर शोध की बात पर याद आती है अपनी एक परिचिता, जो हर बात पर हंसती है। हंसने वाली बात पर हंसते तो मुनासिब है, लेकिन वह दुख की बात पर भी हंस पड़ती है। उसका मानना है, दुख भी हंस कर सहो। अरे भई, हंस कर दुख सहने का यह मतलब तो नहीं कि हर समय बत्तीसी दिखाते रहो। क्या कहे उसे जो किसी को गिरता देख ले तो उसे हंसी आ जाए। गिरने वाला चाहे उसका भाई हो या पड़ोसी, जवान हो या बच्चा, किसी को बुरा लगे या भला, उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसका कहना होता है, 'मैं क्या करूँ, किसी को गिरता देख सबसे पहले मेरी हंसी ही छूटती है।' है न इस महिला की हंसी गजब की। काश! शोधकर्ता

## जब करें मजाक रखें इन बातों का ध्यान



अपनों के साथ हम मजाक करते ही हैं, यह हंसने-हंसाने का एक प्यारा-सा जरिया है। लेकिन मजाक कभी ऐसा ना करें कि सामने वाला हंसने के बजाय आहत हो। ऐसे मजाक बिल्कुल ना करें, जिसे आप स्वयं भी ना सह पाएं। मजाक एक सीमा में रहकर करें।

का मजाक उड़ाते हैं तो इसका हमारे संबंधों पर असर पड़ता है। जब हम जिसका मजाक उड़ाते हैं, अगर उसके मन में यह भावना आती है कि आप उसका अपमान कर रही हैं, तो चाहे वह कितना अच्छा दोस्त हो, उससे आपके रिश्ते सलामत नहीं रहेंगे। मजाक से विश्वास और दोस्ती दोनों के टूटने का खतरा रहता है। भले कुछ लोग कहते हों कि मजाक करके वह माहौल को हल्का-फुल्का और तनावमुक्त बनाना चाहते हैं, लेकिन यह एक बड़ा झूठ है। जब हम किसी का मजाक उड़ाते हैं तो माहौल हल्का नहीं होता, उस व्यक्ति के लिए तो बहुत ही तनावभरा हो जाता है।

बिरेदिवर / विवेक कुमार

बड़े-बुजुर्ग सही कहते हैं कि हंसी-मजाक एक सीमा तक ही अच्छे लगते हैं। अगर आपने इसकी हद पार कर दी तो यह हंसी-मजाक संबंधों के लिए घातक भी हो सकता है। आपने भी कई बार महसूस किया होगा कि किसी-किसी का मजाक आपके दिल में चुभकर रह गया। ऐसे तमाम किस्से भी सुने होंगे कि किसी ने, किसी दूसरे का इतना मजाक उड़ाया कि मजाक से पीड़ित व्यक्ति ने गुस्से में मजाक बनाने वाले से मारपीट तक कर ली। इसलिए जब भी किसी से मजाक करें, कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें।

सीमा पार ना करें : मजाक हमेशा एक सीमा तक ही अच्छा लगता है। जैसे ही आपने किसी का मजाक बनाते हुए सीमाएं, मर्यादाएं पार कीं तो मजाक बनाए जाने वाला व्यक्ति बहुत अपमानित महसूस करता है। इसलिए जब भी किसी से मजाक करें, उसका सम्मान करते हुए महज मनोरंजन की सीमा तक ही यह करें। खास करके ऐसे व्यक्ति का तो मजाक कभी नहीं उड़ाना चाहिए, जो मजबूर हो और पलटकर आपको जवाब ना दे सके। इसी तरह किसी शख्स में अगर कोई जन्मजात कमी है, मसलन वह अंधा है, लंगड़ा है या वह बोल नहीं पाता, मोटा है, काला है, कद बहुत छोटा है, ऐसी शारीरिक स्थितियों का तो कभी भी मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। क्योंकि ऐसे व्यक्तियों का जब कोई मजाक उड़ाता है तो वह मजाक उन्हें गुरदुदाता नहीं है, अपमानित महसूस कराता है।



क्या कहता है मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के मुताबिक कोई स्वस्थ व्यक्ति किसी का मजाक नहीं उड़ा सकता। हां, अगर कोई ऐसा व्यक्ति जो वाकई मनोरंजन के लिए या माहौल को हल्का-फुल्का करने के लिए मजाक का सहारा लेता है, तो वह दूसरों की बजाय सबसे ज्यादा खुद का ही मजाक उड़ाता है। मनोविज्ञान यह भी स्पष्ट करता है कि दूसरों का मजाक उड़ाकर हम अपने आपको महत्वपूर्ण बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन ऐसी कोई कोशिश कभी सफल नहीं होती।

लोगों को मौका ना दें : जब कोई व्यक्ति पहली बार आपका मजाक उड़ाने की कोशिश करे और आपको लगे कि आप उससे आहत हो रही हैं तो तुरंत उसे टोक दें। अगर पहली बार में ही टोक देंगी तो वो भविष्य में ना सिर्फ आगे बढ़ने से रुक जाएगा बल्कि यहां से भी पीछे लौट जाएगा। अगर आपने उसे आगे बढ़ने दिया तो वह भविष्य में अगर पीछे लौटने का हौसला भी दिखाएगा तो बार-बार इससे पीछे भी हट जाएगा। किसी से दबकर तो अपना मजाक कभी भी नहीं उड़वाना चाहिए। क्योंकि अगर सामने वाले को लग गया कि आप उससे दबे हुए हैं, इसलिए उसकी मजाक को सहन कर रहे हैं तो वह फिर और दबाता जाएगा। यह कभी नहीं भूलें, मजाक हंसने-हंसाने के लिए होते हैं, दिल को दुखाने के लिए नहीं।

**KALDA**  
Years of Excellence Since 1990

**BURN AND PLASTIC SURGERY CENTER**  
EXCLUSIVE COSMETIC SURGERY CENTER OF CENTRAL INDIA

**PRP** NOW STARTING FROM RS. 9,999 FOR 3 SITTING

**Liposuction** NOW STARTING FROM RS. 20,000 + EMI

**Hair Transplant** NOW STARTING FROM RS. 5555 + EMI

**Facial Hair Removal** Starting From Rs. 3,333 /- per Sitting

**HIFU** Starting From Rs. 8000/- per Sitting

0% INTEREST | NO COST EMI

Call : 9827143060, 8871003060 | Pachpedi Naka, Near Colors Mall, Dhamtari Road, Raipur (C.G.)

**खुदास / विनीता**

**अपने आय से क्यों रखें शिकायत**

हर इंसान से जीवन में कोई ना कोई गलती हो जाती है। ऐसी गलती भी हो जाती है, जिसमें अपना ही नहीं, अपने किसी प्रिय का नुकसान हो जाता है। यह गलती जानबूझ कर नहीं, अनजाने में हो जाती है फिर भी हम अपने आपको दोषी मानते हैं। एक तरह से अपराधबोध से ग्रस्त हो जाते हैं। लंबे समय तक ऐसी मन:स्थिति मेंटल हेल्थ के लिए ठीक नहीं है, इससे जल्द से जल्द उबरना जरूरी है। लेकिन उबरें कैसे, जानिए- हमेशा खुद को दोषी ना समझें: कुछ लोग किसी भी काम में कोई गलती होने पर खुद को दोषी मान लेते हैं, इन्हें अपने आपसे शिकायत हो जाती है। ऐसे लोग अपने आपको कोसने लगते हैं। ऐसी स्थिति में उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ जाता है। इसलिए अगर आपसे कभी कोई गलती हो भी जाए तो लगातार उसके बारे में सोचकर उदास-निराश होने के बजाय उसे सुधार कर आगे बढ़ जाएं। स्वयं रखें अपना ध्यान: आज की इस भागम-भाग वाली जिंदगी में लोगों के पास दूसरों के लिए समय नहीं है। अधिकांश लोग सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं, इसलिए आपको अपना ध्यान खुद ही रखना होगा, तभी आप खुश रहेंगी, जीवन में कामयाब होंगी। इसके लिए आपको अपनी कमियों और गलतियों के प्रति सचेत रहना होगा, अपनी आदतों को निरंतर सुधारने की कोशिश करनी होगी। खुद को दें शाबासी: हमेशा कुछ नया सीखने और करने का प्रयास करें। अपना आत्मविश्वास और आत्मबल बढ़ाएं। इसके लिए जब भी किसी कार्य में आपको सफलता मिले तो उसके बारे में सोचकर खुद पर गर्व महसूस करें। अपने आप को शाबासी भी दें। जब आप खुश होकर अपने बारे में सकारात्मक नजरिया रखेंगी तो आपके मन में खुद के प्रति कोई शिकायत नहीं रहेगी, कोई गलती होने पर लंबे समय तक अपने आपको दोषी मानते हुए तनाव में नहीं रहेंगी, हीनभावना का शिकार नहीं होंगी।

(मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्शन आनंद से हुई बातचीत पर आधारित)

**मुफ्त पाईये**

**कोलगेट पेस्ट**  
250g पैकेट के साथ

**ताज़गी का एहसास...**

**केमल**  
SINCE 1976

कोलगेट पेस्ट ₹ 10/- (MRP) वाला

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें  
Mobile: 92851 63700, Email: gdc.indore@gmail.com

